भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
26.03.2025 के
अतारांकित प्रश्न सं. 4303 का उत्तर

कन्नूर रेलवे स्टेशन के लिए अमृत भारत स्टेशन योजना की स्थिति

4303. श्री के. सुधाकरन:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) कन्नूर रेलवे स्टेशन के विकास के लिए अमृत भारत स्टेशन योजना के कार्यान्वयन की स्थिति क्या है;

(ख) क्या उक्त योजना के कार्यान्वयन में कोई देरी हुई है;

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा देरी के क्या कारण हैं; और

(घ) कन्नूर रेलवे स्टेशन पर परियोजना के पूरा होने की समय-सीमा क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री
(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (घ): केरल राज्य में स्थित कन्नूर रेलवे स्टेशन को अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत विकास के लिए चिह्नित किया गया है। कन्नूर रेलवे स्टेशन पर विकास कार्यों के लिए निविदाएं प्रदान की जा चुकी हैं और निर्माण कार्य शुरू कर दिए गए हैं। साथ ही, पिछले तीन

वर्षों के दौरान कन्नूर रेलवे स्टेशन पर यात्री सुविधाओं संबंधी अधिकांश कार्य किए गए हैं जिसमें लिफ्ट, एस्कलेटर, जन-उद्घघोषणा प्रणाली, सौर ऊर्जा संयंत्र, सीवेज उपचार संयंत्र, जल आपूर्ति व्यवस्थाओं में सुधार करना आदि शामिल है।

अमृत भारत स्टेशन योजना में दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ सतत् आधार पर रेलवे स्टेशनों के विकास की संकल्पना की गई है। इसमें प्रत्येक रेलवे स्टेशन की आवश्यकता को देखते हुए स्टेशनों पर स्टेशन तक पहुंच, परिचलन क्षेत्र, प्रतीक्षालय, शौचालय, आवश्यकता के अनसुार लिफ्ट/एस्केलेटर, प्लेटफॉर्म की सतह में सुधार और प्लेटफॉर्म को कवर करना, स्वच्छता, नि:शुल्क वाई-फाई, 'एक स्टेशन एक उत्पाद' जैसी योजनाओं द्वारा स्थानीय उत्पादों के लिए कियोस्क, बेहतर यात्री सूचना प्रणाली, एक्जीक्यूटिव लाउंज, व्यावसायिक बैठकों के लिए निर्दिष्ट स्थान, लैंडस्केपिंग आदि जैसी सुविधाओं में सुधार लाने के लिए मास्टर प्लान तैयार करना और उनका चरणबद्ध तरीके से कार्यान्वयन करना शामिल है।

इस योजना में आवश्यकता, चरणबद्धता एवं व्यवहार्यता के अनुसार स्टेशन भवन का सुधार, स्टेशन को शहर के दोनों छोर के साथ एकीकृत करना, मल्टी-मोडाल एकीकरण, दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएं, दीर्घकालिक और पर्यावरण अनुकूल समाधान, गिट्टी रहित पटरियों की व्यवस्था आदि और दीर्घावधि में स्टेशन पर सिटी सेन्टर के निर्माण की भी परिकल्पना की गई है।

अभी तक, रेल मंत्रालय ने अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत विकास के लिए 1337 रेलवे स्टेशनों को चिह्नित किया है, जिसमें से 35 स्टेशन केरल राज्य में स्थित हैं। अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत केरल राज्य में चिह्नित स्टेशनों के नाम निम्नानुसार हैं:-

राज्य	अमृत स्टेशनों की संख्या	अमृत स्टेशनों के नाम
केरल	35	अलाप्पुझा, अंगडीप्पुरम, कलाडी के लिए अंगमाली, चलाकुडी, चंगनाचेरी, चेंगन्नूर, चिरयिनिकिल, एर्णाकुलम, एर्णाकुलम टाउन, एट्टुमानूर, फेरोक, गुरुवयूर, कन्नूर कासरगोड, कयानकुलम, कोल्लम, कोझिकोड, कुट्टीपुरम, मवेलीकारा, नेय्यातिनकारा, नीलांबुर रोड, ओट्टप्पलम, परप्पनंगडी, पय्यानूर, पुनालुर, षोरणूर जं., थलास्सेरी, तिरुवनंतपुरम, त्रिशूर, तिरूर, तिरुवल्ला, थिरुपनिथुरा, वडकारा, वर्कला सिवागिरी, वडकांचेरी

अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत स्टेशनों के विकास/उन्नयन को आम तौर पर योजना शीर्ष-53 'ग्राहक सुविधाएं' के अंतर्गत वित्तपोषित किया जाता है। योजना शीर्ष-53 "यात्री सुविधाएं" के तहत आबंटन का ब्यौरा क्षेत्रीय रेलवे-वार रखा जाता है, न कि कार्य-वार या स्टेशन-वार या राज्य-वार। केरल राज्य दक्षिण रेलवे के अंतर्गत आता है। इस क्षेत्र के लिए योजना शीर्ष-53 के तहत वित्त वर्ष 2024-25 हेतु 1,098 करोड़ रुपए (संशोधित अनुमान) का आवंटन किया गया है।

रेलवे स्टेशनों का विकास/उन्नयन जटिल प्रकृति का होता है जिसमें यात्रियों और रेलगाड़ियों की संरक्षा शामिल होती है और इसके लिए अग्नि संबंधी मंजूरी, धरोहर, पेड़ों की कटाई, विमानपत्तन स्वीकृति इत्यादि जैसी विभिन्न सांविधिक स्वीकृतियों की आवश्यकता होती है। इनकी प्रगति जनोपयोगी सेवाओं (जिनमें जल/सीवेज लाइन, ऑप्टिकल फाइबर केबल, गैस पाइप लाइन, पावर/सिगनल केबल इत्यादि शामिल हैं) का स्थानांतरण, अतिलंघन, यात्री संचलन को बाधित किए बिना रेलगाड़ियों का परिचालन, रेलपथ और उच्च वोल्टेज वाली बिजली लाइनों के निकट सान्निध्य में किए जाने वाले कार्यों के कारण गति प्रतिबंध आदि जैसी ब्राउन फील्ड संबंधी

चुनौतियों के कारण भी प्रभावित होती है और ये कारक कार्य के समापन समय को प्रभावित करते हैं। अत:, इस समय कोई समय-सीमा निर्धारित नहीं की जा सकती है।

******